

प्रतिनिधिसभा विघटनको विरोधमा च्याली



बद्री नारायण यादव
सिरहा । प्रधानमन्त्री के पी शर्मा ओलीले प्रतिनिधिसभा विघटन गरेको विरोधमा विवेकशिल साभा पार्टी सिरहाले जिल्ला सदरमुकाममा विरोध गर्दै च्याली प्रदर्शन गरेको छ ।
जिल्लाको विभिन्न ठाउँबाट आएका नेता तथा कार्यकर्ताहरूले सिरहा बजार परिक्रमा गर्दै यहाँको थाना

चौकमा कोणसभामा परिणत भएको थियो । संविधान र विधिको शासनलाई बेवास्ता गर्दै ओलीले प्रतिनिधिसभा विघटन गरेको भन्दै नाराबाजी गरिएको थियो ।
जनमतलाई अपहेलना गर्दै आफ्नो र पार्टीगत स्वार्थ पूरा हुने गरी विघटन गरेको संसद पुनः स्थापना नगरिए सशक्त आन्दोलन गरिने विवेकशिल साभा पार्टीका जिल्ला अध्यक्ष धनपैत महतोले बताए ।

प्रधानमन्त्रीले आफ्नो कुर्सी बचाउनका लागि जनतालाई अवमूल्यन गर्न नमिल्ने उनको तर्फ छ ।
दशौं वर्षको राजनीतिक संघर्षको बलमा आएको संघीयतालाई धरापमा पार्न खोजिएको उनले शंका व्यक्त गर्दै भने, 'केपी ओलीले असंवैधानिक रूपमा चालिएको कदम नसत्त्विएसम्म सडक संघर्ष सशक्त बनाउदै अघि बढ्ने छु ।' पार्टीको केन्द्रिय निर्णयको

अधिनमा रहेर जिल्लामा काम गर्नका लागि आफूहरू तयार रहेको उनले प्रतिबद्धता व्यक्त गरे ।
कोणसभामा सिरहा नगरपालिका इकाई कमिटिका अध्यक्ष बलराम यादव लगायतले आ-आफ्नो मन्त्रवय राष्ट्र केपी ओलीले असंवैधानिक रूपमा चालेको कदमलाई सच्याउन जोडदार माग गर्दै त्यस कार्यको भर्त्सना गरे ।
बाँकी ३ पेजमा

संविधानको धारा ८० बमोजिम मन्त्रीको शपथ

राष्ट्रपति विद्यादेवी भण्डारीले संविधानको धारा ८० बमोजिम मन्त्रीहरूलाई पद तथा गोपनीयताको शपथ ग्रहण गराएको राष्ट्रपति कार्यालयले जनाएको छ । सहायक प्रवक्ता केशव प्रसाद घिमिरेले जारी गरेको विज्ञप्तिमा यस्तो उल्लेख छ । संविधानतः मन्त्री हुनका लागि संसद सदस्य अनिवार्य मानिएको छ । संसद सदस्य

हुन नसकेमा ६ महिनाभित्रमा संसद सदस्य हुनुपर्ने प्रावधान छ । संविधानको धारा ८० मा 'प्रधानमन्त्री, उपप्रधानमन्त्री र मन्त्रीले राष्ट्रपतिसमक्ष तथा राज्यमन्त्री र सहायक मन्त्रीले प्रधानमन्त्री समक्ष आफ्नो कार्यभार सम्हाल्नु अघि संघीय कानून बमोजिम पद तथा गोपनीयताको शपथ लिनुपर्ने' भनिएको छ ।

यस्तो छ नयाँ मन्त्रीको सूची र पुराना मन्त्रीको कार्यविभाजन

क्र.सं.	नाम, थर	पदनाम	कार्यविभाजन
१.	केपी शर्मा ओली	प्रधानमन्त्री	रक्षा
२.	ईश्वर पोखरेल	उपप्रधानमन्त्री	प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय
३.	रामबहादुर थापा	मन्त्री	गृह
४.	टोपबहादुर रायमाझी	मन्त्री	ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई
५.	विष्णुप्रसाद पौडेल	मन्त्री	अर्थ
६.	प्रदीपकुमार झवाली	मन्त्री	परराष्ट्र
७.	हृदयेश त्रिपाठी	मन्त्री	स्वास्थ्य तथा जनसङ्ख्या
८.	लेखराज भट्ट	मन्त्री	उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति
९.	कृष्णगोपाल श्रेष्ठ	मन्त्री	शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि
१०.	प्रभु साह	मन्त्री	सहरी विकास
११.	भानुभक्त ढकाल	मन्त्री	संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन
१२.	मणिचन्द्र थापा	मन्त्री	खानेपानी
१३.	पद्माकुमारी अर्याल	मन्त्री	कृषि तथा पशुपन्छी विकास
१४.	वसन्तकुमार नेम्बाङ	मन्त्री	भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात
१५.	गौरीशंकर चौधरी	मन्त्री	श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा
१६.	पार्वत गुरुङ	मन्त्री	सञ्चार तथा सूचना प्रविधि
१७.	डा. शिवमाया तुम्बाहाङफे	मन्त्री	भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण
१८.	लिलानाथ श्रेष्ठ	मन्त्री	कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला
१९.	गणेशसिंह ठगुन्ना	मन्त्री	सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन
२०.	प्रेमबहादुर आले	मन्त्री	वन तथा वातावरण
२१.	जुलीकुमारी महतो	मन्त्री	महिला, बालबालिका तथा ज्येष्ठ नागरिक
२२.	दावा लामा तामाङ	मन्त्री	युवा तथा खेलकुद
२३.	नवराज रावत	राज्यमन्त्री	स्वास्थ्य तथा जनसङ्ख्या
२४.	रामबिर मानन्धर	राज्यमन्त्री	सहरी विकास
२५.	विमला विक.	राज्यमन्त्री	उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति

गुनासो सुनुवाइ सम्बन्धी अभिमुखीकरण



सिरहा । सामाजिक सुरक्षा भन्ना अनलाईन मार्फत वितरण गरिने सन्दर्भमा सिरहा नगरपालिका सेवा ईकाई पञ्जिकरण शाखाले गुनासो

सुनुवाइ सम्बन्धी अभिमुखीकरण तथा छलफल कार्यक्रम गरेको छ ।
बालपोषण, वृद्धवृद्धा, एकल महिला लक्षित वितरण हुँदै

गुनासोलाई सम्बोधन गर्दै सिरहा नगरपालिकाका निमित्त प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत बलिराम यादवले वडा सचिवहरूले स्थानीय स्तरमा आवश्यक

तालमेल गर्न नसक्दा केही व्यक्तिको नाम छुट हुन गएको बताए । छुट हुन गएका व्यक्तिहरूको अभिलेख आउदो हप्ताभित्र तयार गर्न वडा सचिवहरूलाई अनुरोध गर्दै उनले अब त्यस काममा ढिलासुस्ती भए त्यसको जिम्मा

छिटो मनेको

WORLDLINK

3C

25 Mbps

Rs. 1,250*

6C

Rs. 2,700*

SPEEDMA BOOST

नगदमा छुट

Enjoy 100+ HD Channels & 150+ SD Channels FREE with WorldLink

Lahan office: 033-561429, 033-561430 | Mirchaiya: 033550505, | Golbazar: 9801186055, | Kalyanpur: 031-540229



फ्रेन्ड्स मोडेल हस्पिटल, लहान-४

(शिव मन्दिरको उत्तरपट्टि रघुनाथपुर)

डाक्टरहरू

<p>हाम्रो सेवाहरू</p> <p>NICU सहितको प्रसुति सेवा</p> <p>२४ औं घण्टा इमरजेन्सी सेवा</p>	<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr> <td style="padding: 2px;">बालरोग विशेषज्ञ</td> <td style="padding: 2px;">डा. वृजेन्द्र यादव</td> </tr> <tr> <td style="padding: 2px;">मधुमेह, प्रेसर</td> <td style="padding: 2px;">डा. ल्युर्युन यादव</td> </tr> <tr> <td style="padding: 2px;">प्रसुति रोग विशेषज्ञ</td> <td style="padding: 2px;">डा. विरेन्द्र यादव</td> </tr> </table>	बालरोग विशेषज्ञ	डा. वृजेन्द्र यादव	मधुमेह, प्रेसर	डा. ल्युर्युन यादव	प्रसुति रोग विशेषज्ञ	डा. विरेन्द्र यादव
बालरोग विशेषज्ञ	डा. वृजेन्द्र यादव						
मधुमेह, प्रेसर	डा. ल्युर्युन यादव						
प्रसुति रोग विशेषज्ञ	डा. विरेन्द्र यादव						

चौबटिया कथा पेण्डुलम

अयोध्यानाथ चौधरी

मोबाइलक अलार्म चेहा उठल । एकरा आवजकेँ लो कऽ पडभूतैक । सवदिन ई बात सोचैत छी, मुदा अनकापर आधारित व्यक्तिक इएह हाल होइत छैक । भोरमे सोचैत छी, दिनमे कखनो बालककेँ कहि कऽ एहि छोटछिन समस्यासँ मुक्त भऽ जाएव । परन्तु हमर बालक सुतले जे छथि । प्रातः ६ बजैत हेतैक । आश्वस्त होएबाक वास्ते मोबाइलमे तकवाक नहि प्रयोजन । 'फिक्स' जे कए देल गेल छैक । दिन विति जाइत छैक । आवाज कम करएवला बात विसरा जाइत अछि । जाडक पहाडसन राति सेहो कटि जाइत अछि । फेर उएह चेहावउवला अलार्म । जाड एहिवेर किछु वेसिए बुभाइत छैक । हमरा होइत मोनक भ्रम अछि । पुस-माघमे अदौसँ एहिना जाड होइत आविरहल छैक । लोक भूतके विसरबाक आदी जे भऽ गेल अछि । अन्यमनस्क भावे उठिजाइत छी । टहल विदा होइत छी । बहुत उत्साहसँ नहि । जाडमे गरम सीरक छोडबला वात एकटा तपस्यासन छैक । ताहूमे बूढकेँ । गलत बात । जवानके नहि ? बच्चाके नहि ? तखन तऽ स्वास्थ्यक चिन्ता बनल रहैत अछि । डरे टहलैत छी । कहियोकाल अलस्याक विजय भऽ जाइत छैक । सीरक नहि उठऽ दैत अछि । ओकरा सिनेहमे आर वेशी लटपटा जाइत छी । अमृतम् शिशिरे वज्जि, अमृतम् प्रियदर्शनम्, अमृतम् राजसम्मानम्, अमृतम् क्षीरभोजनम् । गरम-गरम, नरम, मोलायम सीरकपर प्रायः कोनो श्लोक नै ।

आव भटकारि कऽ टहलैत छी । 'त्रिशक वाकिङ्ग' वेशी फेदा करैत छैक । रोडपर सव रङ्गक लोक आविचुकल छथि । युवा-युवती, प्रौढ-प्रौढा । बूढा-बूढीक संख्या न्यून । एखन सवारी-साधन कम परिचालित अछि । तथापि रोडक दुर्दशाक

चेल्ते एहनो अहल भोरे यदा-कदा वातावरण धूलमय बनिजाइत अछि आ लोक रुमालसँ नाक बन्द करवाक हेतु बाध्य । दिनक तऽ बाते नहि ।

जड आ स्पन्दनहीन भेल विभिन्न शिक्षण-संस्था, होटल, कार्यालय-भवन एवं अन्य दोकानसब पार करैत हम ओई जगहलग आविजाइत छी जतऽ हमर परर स्वतः स्थिर भऽ जाइत अछि । हमर कथाक एक मात्र मुख्य पात्रकेँ हम देखिरहल छी । पशु कार्यालयक ओ विद्यमान अछि । पता नहि ओ कखन चलि अबैत अछि । कतवो अन्हरोखे एहि वाटे गुजरवाकाल ओ एहिठाम रहिते अछि । ओकरा आगँमे कोनो कपडा नहि पसारल रहैत छैक, जाहिठाम लोक दयावंश एकटा वा दूटा रूपैयाक सिक्का फेकि दैत छैक । अर्थात ओ भीख मङ्गऽवला तऽ नहिएटा अछि । ओ निछच्छ बताह सेहो नहि अछि जे लोककेँ उपद्रव करैत अछि । मुदा ओकर आकृतिसेँ हमरा डर होवऽ लगैत अछि । तए हम ओकरादिसि कनडेरिए तकैत छी । सहानुभूति आ भयमिश्रित भाव । ओ जेना मुस्कारहल हो । ओकर इएह मुस्की तऽ भयक उत्पत्ति करैत अछि । एकनिजा मुस्कान । ओहिकाल फुल्ला भेल ओकर दहिना आँखि कनेक नाम पसरि जाइत छैक आ वायाँ आँखि यथावत सिकुडले रहि जाइत छैक । वर्षेसँ धूल खाइत ओकर केश आ दाढी लट्टा भेल ठाढ रहैत । नाकक जाँ केन्द्रविन्दु मानल जाए तऽ दहिना आँखि कोनो घडीक बडका सुई आ बामा आँखि छोटका सुई बुभाइत छैक । चुक्कीमाली भेल वैसल ओ एकटा बडका देवाल घडी तऽ अछिए । एतेक बडका घडी विश्वमे प्रायः कतौ नहि बनल हेतैक । कतेक शहरक टावरमे जडान कएल गेल विभिन्न आकारक बडका-बडका घडी तऽ हम स्वयं देखने छी । मुदा एहन नहि । ओ निरन्तर मूडाकेँ भटकैत रहेए, एकटा खिचाएल सीमाधरि । पेण्डुलम जकाँ ।

बाँकी ४ पेजमा

सलहेस पूजाक अनुष्ठानिक प्रक्रिया

प्रकृतप्रदत जीवक अविर्भाव एवं विकासक क्रम निरन्तर अग्रसरक मार्ग प्रशस्त करैछ । विकासक क्रम प्रकृत स्वतः निरन्तर अवाध गतिक प्रक्रिया अग्रसर होइत रहैछ । आ एहिक्रमकेँ जँ सहयोग प्राप्त होइछ, तखन ओ तीव्रगामीक रूप पकडि क्रिया सम्पन्न हेबामे विलम्ब नहि होइछ । एहिक्रममे विभिन्न प्रकारक जीवक विकास भेल । ताहिमे मानवक विकासक क्रम अधिक तीव्रगामी रहल आ मानव अपन व्यक्तित्व आ कृतित्वक परिणामस्वरूप आदरणीय, पूज्यनीय, प्रार्थनीय, स्मरणीयक क्रममे ओ लोकदेवताक रूपमे, ओ समाव ओकरा स्वीकार कऽ पूजा अर्चनासँ अभिभूत करैछ, आ उएह स्वरूप अन्तरालमे एक व्यवस्थाक अनुकूल देवत्व स्थापित होइछ । ओ मानव, महामानवक रूपमे अपन प्रतिष्ठा प्रतिष्ठित करैछ, आ लोक ओकरा श्रद्धासुमन अर्पित कऽ फलक कामना कऽ फल सेहो विश्वासस्वरूपमे फलीभूत होइछ । प्रकृतक अपन नियम होइछ-आ ओ नियम पालनमे अग्रसर रहैछ । नियमक प्रतिकूल कौखन नहि होइछ । आ जखन प्रकृतसँग छेड-छाड होइछ, नियमक उल्लंघन मानवद्वारा होइत अछि । तखन विघटन हएब स्वाभाविक अछि । आ विघटनक बाद पुनः निर्माण हएब सेहो ध्रुवसत्य अछि । ई विघटन आ निर्माणक क्रिया-प्रकृतमे होइत आएल अछि आ रहत । मानव एक एहन सामाजिक प्राणी अछि जे अपन बुद्धि, विवेक, सहिष्णुता धैर्य, शालीनताक बले समाजमे अग्रसर होइत आएल अछि । एहनेक्रममे प्रकृत-प्रदत एक महामानव ऐतिहासिक पुरुष, युगनिर्माता, समाजमे व्याप्त शोषण, दोहन, उत्पीडन आ प्रताडनाक विरुद्ध आवाज बुलन्द करब, समाजकेँ कष्ट-हरण करब, समतामूलक समाजक स्थापना करब समदर्शी, राष्ट्रहितधारी जीवजन्तु हिसक पशुसँ रक्षा आ भरण दिआएब एक विशिष्ट मानवक अवतरण भेल छलनि जिनकर नाम छलन्ह - राजा सलहेस ।

एहिठाम हम राजा सलहेसक सिर्फ पूजाक विधि-

विधानक चर्चा करब । राजा सलहेस पूजाक विधान दू प्रकारक होइछ : प्रथम :-शाक्तस्वरूपा आ दोसर मांसस्वरूप । आब प्रश्न उठैत अछि जे शाक्त स्वरूपा की थिक ? एकर उत्तर हएत जे - शाक्तस्वरूपा हम ओकरा कहब जखन सलहेसक पूजामे जीवक हिंसा नहि होइछ । दोसर मांसस्वरूपा हम देखैत छी जे जखन सलहेसक पूजानोत्सवक अवसरपर किछु क्षेत्राधीन समाज प्रायः पशुबद्ध करैछ । ई बद्ध पूजानोत्सवक अवसरपर बजाओल गेल इष्टमित्र, कुटुम्ब स्वागतार्थ छागरक बद्ध कएल जाइछ जे अप्रत्यक्ष रूपसँ एहि बातक सबूत प्रमाणित होइत अछि । परञ्च मुख्य रूपसँ सलहेस पूजामे सात्विक, जेना, शुद्ध दूध आ गमकौआ चाउर उत्तम किसमक मिश्रीनुमा चीनीक समीश्रण कऽ अगिक मध्यम तावपर सिद्ध कऽ तरसै तैयार होइछ ।

सहयोगी :-
राजा सलहेसक पूजा मैथिल आ प्रवासी मैथिलक दुसाध जातिक लोक मुख्यरूपसँ करैत छथि आ सहयोग मैथिल समाजकसभ जाति, सम्प्रदाय आ धर्मक लोकका रहैत छनि । जेना राजा सलहेसक पूजा मुख्य रूपसँ वर्षक आषाढीक पूजानामसँ प्रति वर्ष असाढमासक मध्य शुक्ल पक्ष शुभ दिन शुभ लग्न आ मुहूर्तमे होइत अछि । आ एहि पूजामे भगत दलबाहकसँग, मृदङ्ग आ भालिक बाद्ययन्त्रक सहयोगसँ करीब १०-१५ भगैत पोनिहारकसँग लयवद्ध भगैत दरबारजा-दरबजा जाऽ गबैत छथि । समाजक उच्चवर्ग, समान्यवर्ग, आ गरीब, किसान, मजदूर समेतसभक दरबजा पहुँचि, पावन पूजाक सफलताक लेल समाजसँ आशिर्वादी प्राप्त करैत छथि । आशीर्वादी प्राप्त करैत छथि मुस्लिम, सिक्ख आ ईसाइ धर्मात्मबी समाजसँ । आ सलहेस पूजाक उपर्युक्त सभलोग सहयोगी सिद्ध होइत छथि । तए हिनकेलोकनिकेँ सलहेस पूजा सहयोगी नामसँ संबोधन कएल जाइत छनि ।

सुरसार :-
प्रति वर्षक भाँति, आषाढ मासक निर्धारित तिथिक लेल जखन दुसाध समुदायक लोक, कोनो चौपाडि, सार्वजनिक हरिजन दलान, माल-जालक बथान, वर, पिपर, वृक्षतर बैसि, विधानक चर्चा करब । राजा सलहेस पूजाक विधान दू प्रकारक होइछ : प्रथम :-शाक्तस्वरूपा आ दोसर मांसस्वरूप । आब प्रश्न उठैत अछि जे शाक्त स्वरूपा की थिक ? एकर उत्तर हएत जे - शाक्तस्वरूपा हम ओकरा कहब जखन सलहेसक पूजामे जीवक हिंसा नहि होइछ । दोसर मांसस्वरूपा हम देखैत छी जे जखन सलहेसक पूजानोत्सवक अवसरपर किछु क्षेत्राधीन समाज प्रायः पशुबद्ध करैछ । ई बद्ध पूजानोत्सवक अवसरपर बजाओल गेल इष्टमित्र, कुटुम्ब स्वागतार्थ छागरक बद्ध कएल जाइछ जे अप्रत्यक्ष रूपसँ एहि बातक सबूत प्रमाणित होइत अछि । परञ्च मुख्य रूपसँ सलहेस पूजामे सात्विक, जेना, शुद्ध दूध आ गमकौआ चाउर उत्तम किसमक मिश्रीनुमा चीनीक समीश्रण कऽ अगिक मध्यम तावपर सिद्ध कऽ तरसै तैयार होइछ ।

पूजाक बैसार :-
पूजाक 'सुरसार'केँ अवसरपर जखन एक निर्धारित तिथिकेँ दुसाध जातिक समुदायक बैसार कऽ उपस्थित सदस्यद्वारा सर्वसम्मतिसेँ नियमोपरान्त एक खास तिथि निर्धारित होइत अछि जे सलहेस पूजाक एक समितिक गठन करैछ आ ई प्रथम बैसार रहैत अछि तए एकरा 'पूजाक बैसार' नामसँ संबोधन होइत अछि ।

पूजाक बैसार :-
पूजाक 'सुरसार'केँ अवसरपर जखन एक निर्धारित तिथिकेँ दुसाध जातिक समुदायक बैसार कऽ उपस्थित सदस्यद्वारा सर्वसम्मतिसेँ नियमोपरान्त एक खास तिथि निर्धारित होइत अछि जे सलहेस पूजाक एक समितिक गठन करैछ आ ई प्रथम बैसार रहैत अछि तए एकरा 'पूजाक बैसार' नामसँ संबोधन होइत अछि । सलहेस पूजाक बैसार समिति :- जखन सर्वसम्मतिसेँ पूजा समिति गठित होइत अछि -तखन, समितिक सदस्य द्वारा बैसारक एक प्रारूप तैयार होइत अछि जाहिमे निम्नलिखित विन्दुपर विचार करब से निश्चित कएल जाइत अछि । जेना (१) अध्यक्ष, (२) सचिव (३) कोषाध्यक्ष (४) तैयारी समिति । (५) सलहेस पूजा समितिक नामकरणपर विचार और गठन । सलहेसपूजा समितिक सदस्य जे १५ सदस्ये समिति रहैछ ई समिति एक बैसारसँ लेल गेल सर्वसम्मति निर्णय कऽ बनैत अछि । जेकरा माध्यमसँ अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, तैयारी समिति आ संस्थाक नाम देल जाइत अछि आ पूजा प्रारूप तैयार करैछ । सलहेस पूजाक अनुष्ठानिक प्रक्रिया प्रथम स्वरूप तैयार भऽ जाइत अछि । तदुपरान्त 'भगवत' नव परिधानसँ आवेष्टित, पिअर वस्त्रसँ सज्जित, व्रत उपवासमे रहि, इष्टदेवक अवाहनहेतु समाजमे कुशल भगैत गेनिहारकेँ सडोर होइछ, आ भोजनोपरान्त रातिमे

पूजाक बैसार :-
पूजाक 'सुरसार'केँ अवसरपर जखन एक निर्धारित तिथिकेँ दुसाध जातिक समुदायक बैसार कऽ उपस्थित सदस्यद्वारा सर्वसम्मतिसेँ नियमोपरान्त एक खास तिथि निर्धारित होइत अछि जे सलहेस पूजाक एक समितिक गठन करैछ आ ई प्रथम बैसार रहैत अछि तए एकरा 'पूजाक बैसार' नामसँ संबोधन होइत अछि । सलहेस पूजाक बैसार समिति :- जखन सर्वसम्मतिसेँ पूजा समिति गठित होइत अछि -तखन, समितिक सदस्य द्वारा बैसारक एक प्रारूप तैयार होइत अछि जाहिमे निम्नलिखित विन्दुपर विचार करब से निश्चित कएल जाइत अछि । जेना (१) अध्यक्ष, (२) सचिव (३) कोषाध्यक्ष (४) तैयारी समिति । (५) सलहेस पूजा समितिक नामकरणपर विचार और गठन । सलहेसपूजा समितिक सदस्य जे १५ सदस्ये समिति रहैछ ई समिति एक बैसारसँ लेल गेल सर्वसम्मति निर्णय कऽ बनैत अछि । जेकरा माध्यमसँ अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, तैयारी समिति आ संस्थाक नाम देल जाइत अछि आ पूजा प्रारूप तैयार करैछ । सलहेस पूजाक अनुष्ठानिक प्रक्रिया प्रथम स्वरूप तैयार भऽ जाइत अछि । तदुपरान्त 'भगवत' नव परिधानसँ आवेष्टित, पिअर वस्त्रसँ सज्जित, व्रत उपवासमे रहि, इष्टदेवक अवाहनहेतु समाजमे कुशल भगैत गेनिहारकेँ सडोर होइछ, आ भोजनोपरान्त रातिमे

मृदङ्ग, भालि वाद्ययन्त्रक सहयतासँ भजनानन्दलोकनि भगैत गबैत जखन विभोर भऽ जाइत छथि तखन भगतकेँ अध्यात्मिकसब द्वारक पट्टा फुजि जाइत अछि, आ हुनक तनमन ओहि भगैतक लय आ सुरतालमे सम्मोहित भऽ एकाकार भऽ जाइत अछि । आ भगतकेँ सिर्फ राजा सलहेसक मूर्तरूपक एक छाँयास्वरूप आँखिक सोभा एक प्रतिविम्ब उपस्थित भऽ जाइछ । फलस्वरूप भगतकेँ सम्मोहित भेलाकारणै राजा सलहेसक साक्षात् मूर्ति आँखिक सोभा दृष्टिगोचर होइत छनि । जाहिसँ भगत विभोर भऽ जाइत छथि । भगतकेँ नस-नसमे सम्मोहनक प्रभावसँ प्रभावित भऽ स्वतः अङ्ग-प्रत्यङ्ग सञ्चारित भऽ उठैत छनि । जाहिसँ शारीरिक संतुलन, असंतुलनक कारणेँ खसैत पडैत छनि । जे दर्शककेँ भान होइत छनि जे सद्यः देवताक आगमन भगतक शरीरमे भऽ गेलनि अछि । एहिप्रकारेँ करीब एक सप्ताहक एहि रूपमे देवताकेँ जगाओल जाइत अछि । जेकरा लोक 'जागरण' या देवताकेँ अवाहन कहल जाइत अछि ।

ई क्रम एक सप्ताह तक चललाक बाद भगत गाम भ्रमणक योजना बनबैत छथि । तदनुसार शुभ मुहूर्त, शुभ लग्नमे भगत डाला साजेत छथि, जाहि डालामे शुद्ध अरवा चाउरक अक्षत अरहुलक भकनार फूल, छूट्टा पान, एकटा बेतक पातर छडी करीब डेढ हाथक, सभकेँ एक सिंकीक देऊरी जेकरा डाला नामसँ संबोधन कएल जाइत अछि, मे दऽ एक लाल नववस्त्रसँ भाँपि दैत अछि । आ भगत पिअर रङ्गल धोती नव आधा डौरमे लपेटि, डोरा-डोरिसँ लटपटा, धोती मगजीकेँ आँगुरसँ पकडि कसिकेँ मोडि दैत छथि । तदुपरान्त धोतीक खूँटकेँ कौंविया ढेका बना पाछुसँ खोसि लैत छथि । शेष आधा भागकेँ गर्दनसँ नीच आ डौंडसँ उपर भागकेँ ओडि शरीरकेँ भाँपि लैत छथि । आ साजल डालाकेँ एक नैमिष्ठ लोकक हाथमे दैत छथि । ओकरे 'डलबाह' कहल जाइत छैक ।

क्रमशः

मेष :- आज अनुहारमा कान्ति र मनमा शान्ति छाउनेछ । गरेका कामबाट राम्रै लाभ हुनेछ । दैनिक कार्यमा प्रगति हुनेछ । धर्म र कर्ममा मन लाग्नेछ ।

वृष :- निर्णय कार्यान्वयन हुन नसक्ला । आत्मबलमा कमी आउने र मनमा दुविधा उत्पन्न हुनेछ । बुद्धिले काम नगर्न सक्छ, सचेत रहनु होला ।

मिथुन :- आज धार्मिक कृत्यमा सहभागी बन्नु पर्नेछ । परिणाममुखी जिम्मेवारी वहन गर्न समय आएको छ । श्रमको उचित मुल्यांकन पनि हुनेछ ।

कर्कट :- रोकिएका कामहरू पुनः सुरु हुन सक्छन् । साहित्यिक क्षेत्रमा रुची बढ्नेछ । जोश,जाँगर र उमङ्ग बढ्नेछ । नयाँ काममा हात हाल्ने समय छ ।

आजको राशिफल

सिंह :- सजिलै अरुको मन जित्न सकिनेछ । नयाँ ज्ञान सिक्ने मौका मिल्नेछ । आफन्तको प्रगतिमा मन रमाउनेछ । नयाँ कार्य वा रोजगारको अवसर मिल्नेछ ।

कन्या :- नजिकका व्यक्तिबाट कार्यमा बाधा आइपर्ला । मन भावुक र उताउलो बन्नेछ । प्रेम्मा मनमुटाव आउनेछ । अनावश्यक ठाउँमा धन खर्च हुनेछ ।

तुला :- प्रतिस्पर्धाबाट फाइदा उठाउन सकिनेछ । फैंसी क्षेत्रबाट विशेष सफलता हात लाग्नेछ । वैदेशिक क्षेत्रबाट लाभ लिने मौका पनि छ ।

वृश्चिक :- स्थानान्तरण र टाढाको यात्रा सम्भावना छ । सामाजिक तथा धार्मिक कार्यमा रुचि बढ्नेछ । अरुलाई प्रभावित पारेर काम बन्नेछ ।

घनु :- एउटै कामबाट दोहोरो लाभ मिल्नेछ । बन्धु बान्धवबाट सहयोग मिल्नेछ । जोश जाँगर र हिम्मत बढ्नेछ । प्रेम जीवन सुखद नै रहनेछ ।

मकर :- शुभकार्य तथा सामाजिक क्षेत्रमा धन खर्च हुनसक्छ । आँटेको र ताकेको कार्य पुरा होला । आदर्श व्यक्तिको सहकार्यले नयाँ अनुभव मिल्नेछ ।

कुम्भ :- आज लाभ,हानी, आय,व्यय, सुख,दुख वरावरी खालको समय रहनेछ । सद्विचारले अभिप्रेरित हुनेहरूलाई बिस्तारै लाभ मिल्नेछ ।

मिना :- कार्य सिद्धिको योगछ । विपरित वर्गबाट विशेष सहयोग मिल्नेछ । जोश जाँगर र हिम्मत बढ्नेछ । बिना प्रतिस्पर्धाबाट फाइदा हुनेछ ।

चुसेर बाँकी रहेको हाम्रो देश नेपाल

हरेक देशभक्त नागरिकले आफ्नो देश प्रति अगाध प्रेम, स्नेह, सुरक्षा गर्न पाउनु पर्ने उसको नैसर्गिक अधिकार मित्र पर्दछ । देशको चैतर्षि भन्नुस वा सर्वोद्वेग क्षेत्रको सूचना र ख्यालको अधिकार रहन्छ नै । देशको सीमा रेखा, सुरक्षा, विकास, जनताको सुख दुःख, जल, वन जंगल,

शब्दहरूले मागेको फूल र फूलले मागेको मालाहरूले असल निष्ठावान ब्यक्तीहरूको कौध आजसम्म पाउन नसकेको हो भै लागेको छ । बाजेहरूको पालाको राणाकालीन ब्यवस्था र काका बुबाहरूको पालाको

हो भने कहिलीलागदो अबस्था छ, ती रकमहरू हेर्दा त नेपाल उहिल्यै प्रकृतीले मात्र होईन कृत्रीमले पनि

देशलाई ५० वर्ष पछि धकेले दिएका छन । कसैलाई सत्ता सञ्चालन गर्न लुरढेँग नभएकै प्रमाणीत भएको छ । राष्ट्रगौरवका कुनै पनि कार्य यी नेताहरूले कहिल्यै योजना बनाएनन्, जे गर्न खोजे सबै कमिशनवाला परियोजना आर्नालाई प्रबन्धक र मन्त्री बनाएर परियोजना खोत्रो पार्न शिवाय केही जानेनन् ।

हाकीमले आर्नो अफिस खोत्रो पार्दछ, प्रशासनले जिल्ला खोत्रो पारेका छन, नेताले पार्टीलाई र पार्टीले देशलाई खोत्रो पार्ने होखबाजी छ । जसले देशलाई बढी खोत्रो पार्न सफल रहन्छ उ नै देशमा स्थापीत रहेको महशुस गराईदछ ।

यसरी चलेको देश कहिले सम्म कसले डेन्याउने हो ? यीने नेताहरूलाई अब पनि विश्वास गरेर देश छाड्ने हो भने हाम्रा सन्ततीले कर्जा तिर्न बाहेक अरु केही नपाउने पक्का देखिन्छ । हिजो आज देशको सरकारी परिस्थितिले टिक मोडमा उभ्याएको छ, देशको कोहि शुभ चिन्तक छ भने रातारात देशको बागडोर सम्हाल्नु पर्नो, भ्रष्टाचारी, दुराचारी, नैतीक पतन नेताहरूलाई यो देश हँक्ने साहस भएका अरु शक्तीहरू पनि छन भन्ने देखाउनु पर्नो । होईन भने सधै सधैको देशको विकास, समृद्धि, स्वियजरल्याण्ड बनाउने गाईने गित तथा चुटकिलाहरू बन्द गरिनु पर्नो । धन्यवाद ।

राजविराजमा बृहत् विरोध प्रदर्शन गर्दै राष्ट्रपति र प्रधानमन्त्रीको पुतला दहन गरेको छ । राजविराज स्थित शिव मन्दिर प्राङ्गणबाट निस्किएको नेता कार्यकर्ता सहितको विरोध जुलुस नगरको विभिन्न भाग परिक्रमा गरी

शहिद दशन चौकमा पुगेर राष्ट्रपति विद्या देवी भण्डारी र प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओलीको पुतला दहन गरेका हुन । शहिद दशन चौकमा पुतला दहन पश्चात आयोजित विरोध सभामा पार्टीका केन्द्रीय तथा युवा नेताहरूले सम्बोधन गरेका छन् ।

सरोकार

अम्बरज मिश्र



खोलानाला, जडिबुटी, भूगोल, राष्ट्रिय विभूती, यातायात, राजनैतिक, सत्ता समिकरण, मठ मन्दिर लगायत वैदेशिक नीतिहरू समेतको हेक्का राख्नु हरेक राष्ट्रभक्त नागरिकको कर्तव्य हुनुपर्ने हो ।

देशको उपरोक्त कार्यहरूको समयानुकूल कार्यान्वयन भयो भएन ? भन्ने कुरा जनताले चासोका साथ हेरे नै रहेका हुन्छन । आज हाम्रो देशको पुर्वमा मेची, पश्चिममा महाकाली र उत्तरमा हिमाल, दक्षिणमा भारतको सीमासम्मको यो प्रकृतीले सजिएको सानो राष्ट्र नेपालका हामी नेपालीहरू देशको आमूल परिवर्तन हेर्न हाम्रा जिजुवा देखि नाति नातीनाहरू सम्मले आशा गरेको वा सपना देखे कसैले पनि विपनामा परिणत भएको देखे नपाई हाम्रा बाजे बराजुहरू उहिल्यै स्वर्ग तर्फ लागि सक्नु भएको छ । उहाँहरूले हामी सा-साना हुँदा कथाको रूपमा पस्कने दन्त्य कथाहरूको प्रस्तुतीबाट आज अडकल गर्न सहज भएको छ । कथाले मागेका शब्दहरू र

पञ्चायत ब्यवस्था र ब्यवस्था सञ्चालकहरूले जनतालाई बाँडेका आशाको महलहरू, सडकहरू आज पनि टिट लाग्दा नै छन । सबै आर्नै स्वर्गानन्दका खातीर देशको ढिकुटी रित्याएको कारण नै ब्यवस्था नै देशको बाधकको रूपमा हो कि भनेर नै होला, आजका गणतान्त्रीक नेताहरूले तत्कालीन ब्यवस्था नै परिवर्तन गर्न अग्रसर भए । परिवर्तनको क्रममा निष्ठावान हाम्रा अग्रजहरूले सहादत प्राप्त गरे, कतिको काख रित्तियो, कतिको सिन्दुर पुछिए, कति टुहुरो भए तर त्यसको नेतृत्व गर्नेहरू आज पनि विगतका ब्यवस्था सञ्चालकहरूको भन्दा निकृष्ट कार्यशैली, न्यायमा भेदभाव, राष्ट्र कोषको दुरुपयोग, निर्देशहरूको चित्लिबित्लि हुने गरी गरेको सञ्चालन नीतिले प्रष्ट हुन्छ ।

राष्ट्रभक्त भएको नारा लगाउने नाटकीय दलहरूको कार्यशैली सम्पती कुत्ल्याउनु बाहेक अरु केही देखिएको छैन । राष्ट्रलाई प्राप्त अनुदान र ऋण रकम हेर्ने

विश्वमा विकासमा चर्चित देश भई सक्नु पर्थ्यो ।

तर त्यसो नभएर आज पनि देश हँक्नेहरू चुसाहा बाँसाहरू भै मुखै रगताम्य देखिन्छन । देशको सम्पतिहरू भन्दा नेताहरूको सम्पति देख्दा अचम्म लाग्छ । हिजो टालेका चप्पल लगाउनेहरू आज करौडैको अलिसान सवारीमा सवार देखिन्छन । अनि कसरी, कसले, कुन ब्यवस्थाले देशको परिवर्तन गराउने हो ? सबै नाटकीय नारा बोकेर सत्ता परिवर्तन गराउन खोज्छन, ती के का लागि भन्दा सम्पतिले भोकाहरूको भीड देखिन्छन । यो देश यी नेताहरूले चुस्दा चुस्दा गरेर खोत्रो पारिसकेका छन । २०४६ साल पछि देशमा अल्पमत, बहुमत र दुई तिहाई सरकारहरू धेरै आए, धेरै देखिए तर कसैले पनि ५ वर्षे अवधी पूरा गर्न नपाई मध्याबधि मै चुनावहरू गराएर राष्ट्रलाई तुलो ऋणभारमा जाकेर गणतान्त्रीक नेताहरूले

आशानन्द यादव लगायतले आ-आफ्नो मन्तव्य राख्दै विरोध जनाएका थिए ।

सप्तरीमा प्रम ओली र राष्ट्रपति भण्डारीको पुतला दहन

प्रतिनिधिसभा विघटन विरुद्ध जनता समाजवादी पार्टी नेपालले सप्तरी सदरमुकाम

प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओली विरुद्ध प्रदर्शन गरेका छन् ।

प्रदर्शनकारीहरूले राष्ट्रपति विद्यादेवी भण्डारी र प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओली विरुद्ध असंवैधानिक 'कु' खारेज गर ,संसद अधिवेशन सुचारु गर लगायतका नारा सहित नाराबाजी गर्दै पशुपति आदर्श

माविको खेल मैदानबाट निकालेको विरोध न्याली लहानको विभिन्न ठाउँ परिक्रमा गर्दै शहिद चौकमा पुगी कोण सभामा परिणत भएको थियो । कोण सभामा नेकपा सिरहाका जिल्ला सदस्य विजय कुमार गुप्ता, राष्ट्रिय युवा संघ नेपालका विवेक परियार, सह-संयोजक

महत्वपूर्ण टेलिफोन नम्बरहरू

वारुण यन्त्र, लहान	०३३-५६३११५
ईलाका प्रहरी कार्यालय, लहान	०३३-५६०१५५
ईलाका प्रशासन कार्यालय, लहान	०३३-५६०२६६
जि.ट्राफिक कार्यालय, लहान	०३३-५६०७३७
लहान नगरपालिकाको कार्यालय	०३३-५६३१३८
नेपाल विद्युत प्राधिकरण, लहान	०३३-५६०२४६
सव स्टेशन, लहान	०३३-५६०४००
नेपाल टेलिकम, लहान	०३३-५६०४४४
प्राविधिक शिक्षालय, लहान	०३३-५६००१६
अञ्चल यातायात कार्यालय, लहान	०३३-५६०२१७
रा.उ.स्मारक अस्पताल, लहान	०३३-५६००१५
आ. राजस्व कार्यालय, लहान	०३३-५६००८८
कृषि विकास बैंक, लहान	०३३-५६०१४७
कृषि सामाग्री संस्थान, लहान	०३३-५६०१४८
घरेलु तथा साना उद्योग, लहान	०३३-५६०१२८
दु.शा.अतिथि सदन, लहान	०३३-५६०१६५
आँखा अस्पताल, लहान	०३३-५६००८०
जे.एस.मु.ब.क्याम्पस, लहान	०३३-५६०२५२
रक्त संचार केन्द्र, लहान	०३३-५६०५७५
मारवाडी सेवा सदन, लहान	०३३-५६१४११
जि.प्रशासन कार्यालय, सिरहा	०३३-५२०१२३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय, सिरहा	०३३-५२०११२
नगर प्रहरी, सिरहा	०३३-५२०२६७
प्रहरी चौकी, माडर (सिरहा)	०३३-५२०४००
को.ले.नि.का. सिरहा	०३३-५२०१३०
कृषि विकास बैंक, सिरहा	०३३-५२०४७०
जिल्ला समन्वय विकास कार्यालय, सिरहा	०३३-५२००३७
सिरहा जिल्ला अदालत, सिरहा	०३३-५२००५६
जिल्ला अस्पताल, सिरहा	०३३-५२००६४
जनस्वास्थ्य कार्यालय, सिरहा	०३३-५२००८१
जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाई शाखा, सिरहा	०३३-५२०००४
नेपाल टेलिकम, सिरहा	०३३-५२००३३
नेपाल विद्युत प्राधिकरण, सिरहा	०३३-५२०१६१
राष्ट्रिय बाणिज्य बैंक, सिरहा	०३३-५२०००२
रेडक्रस सोसाइटी, सिरहा	०३३-५२००५५
ईलाका प्रहरी कार्यालय, मिर्चैया	०३३-५५०१००
कृषि विकास बैंक, मिर्चैया	०३३-५५०००५
सिता नोबेल न्यूज सेन्टर	०३३-५६००२७
सविना बुक्स एण्ड सप्लायर्स लहान-७	०३३-५६०५११
स्वस्तिका इलेक्ट्रिक एण्ड जेनरल अर्डर सप्लायर्स लहान-१०	५८४२८५०६५

प्रतिनिधिसभा ...

लहानमा नेकपाको विरोध प्रदर्शन

प्रतिनिधिसभा विघटन विरुद्ध दाहाल-नेपाल निकट जनवर्गीय संगठन अनेरास्ववियु सिरहा लगायत नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (नेकपा) सिरहाले शुक्रबार साँझ राष्ट्रपति विद्यादेवी भण्डारी र

नगरवासीका लागि जनहितमा जारी सार्वजनिक सन्देश !

शीत-लहरको समयमा चिसोका कारण मानिसको मृत्युसमेत हुन सक्छ त्यसैले :

१. न्यानो कपडाको जोहो समयमै गरौं ।
२. शीत-लहरको समयमा घरबाहिर खुला स्थानमा धेरै समय नबिताऔं, घरबाहिर निस्कनु परेमा वा धेरै समय बिताउनु पर्ने भएमा न्यानो कपडा लगाऔं ।
३. रातको समयमा सिरक, कम्बलजस्ता न्यानो कपडा ओढ्ने गरौं । घरभित्र राति सुत्दा शरीरका साथै अनिवार्यरूपमा छाति तथा टाउको ढाक्ने प्रबन्ध मिलाऔं ।
४. शीत-लहर चलेको समयमा आगो तापेर शरीरलाई न्यानो राख्ने गरौं ।
५. चिसोको समयमा शरीरलाई चाहिने आवश्यक तातो भोलयुक्त खाने कुराहरू खाने बानीको विकास गरौं ।
६. बालबालिका, वृद्धवृद्धा, गर्भवती महिला तथा बिरामीहरूको हेरचाहमा विशेष सतर्कता अपनाउँदै न्यानो अवस्थामा राख्ने व्यवस्था मिलाऔं ।
७. चिसोको कारण बिरामी भएमा तत्कालै नजिकको स्वास्थ्य चौकी वा अस्पतालमा तुरुन्त उपचारको लागि जाने बानीको विकास गरौं ।
८. शीत-लहर चलेको बेलामा पाल्तु पशुपंक्षीलाई सकेसम्म खुल्ला स्थानमा चराउन नलैजाऔं । गोठ/टहरामै राखेर पर्याप्त घाँस, पराल र दाना दिने व्यवस्था मिलाऔं ।
९. चिसोका कारण पशुपंक्षी बिरामी भएमा नजिकैको पशु चिकित्सालयमा तुरुन्तै सम्पर्क गरी औषधी/उपचार गर्न लैजाऔं ।
१०. कोठाभित्र आगो बाली तातो पार्दा पर्याप्त भेण्टिलेसनको व्यवस्था मिलाउन नभुलाँ ।

	लहान नगरपालिका कार्यालय, सिरहा		कर्जन्हा नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	मिर्चैया नगरपालिका कार्यालय, सिरहा		सुखिपुर नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	कल्याणपुर नगरपालिका कार्यालय, सिरहा		धनगढीमाई नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	गोलबजार नगरपालिका कार्यालय, सिरहा		सिरहा नगरपालिका कार्यालय, सिरहा

काठ पक्राउ

लहान । सव डिभिजन वन कार्यालय गोलबजार चोर्वाले बहुमूल्य सखुवा प्रजातिको चिरान काठ बरामद गरेको छ । विशेष सुराकीको आधारमा गोलबजार नगरपालिका-३ गोलामुक्सारमा लुकाई छिपाई राखेको अवस्थामा ४० थान

सखुवाको चिरान काठ बरामद गरेको हो । सखुवाको काठ लुकाएर राखेको सुचनाको आधारमा वन कर्मचारी त्यहाँ पुगेको थियो । नियन्त्रणमा लिएको काठ आवश्यक कारवाहीको लागि डिभिजन वन कार्यालय सिरहा लहानमा पठाइएको छ ।

गुनासो...

वडा सचिवलाई लिनुपर्ने बताए । वडाका केही व्यक्तिहरू बाहिर रहेको हुँदा उनीहरूसँग आपसी परामर्श गरेर सामाजिक सुरक्षा अभिलेखमा समावेश गराउनु पर्ने भन्दै उनले त्यस कार्यलाई सहज रूपमा अधि बढाउनका लागि वडाध्यक्षहरूलाई सहयोगकारी भूमिका निर्वाह गर्न उनले आग्रह गरे । उनका अनुसार भोट लिने बेलामा मात्र नभई भोट दिएका जनताहरूलाई पाउनुपर्ने सेवा सुविधामा ध्यान दिनुपर्ने हुन्छ ।

व्यक्तिले आफ्नो पहिचान खुल्ने र कानूनसँग मिल्ने कागज पेश गरेपछि सधैका लागि सामाजिक सुरक्षा भत्ता पाउन सहज हुने शाखा प्रमुख संजय यादवले बताए । 'अनलाईन प्रणालीबाट भत्ता वितरण भयो भने अभिलेख दुरुस्त हुने छन्, उनले भने, 'एकले अरुको पैसा बुझ्न पाउने छैन । जसको नाम हुन्छ त्यसैका हातमा पैसा पुग्ने छन् ।' कार्यक्रममा सिरहा नगरपालिकाका सबै वडाका

वडाध्यक्ष र सचिव, प्राविधिक तथा अन्य सरोकारवालाहरूको सहभागिता रहेको एमआईएस अपरेटर अरविन्द कुमार महतोले बताए । उनका अनुसार अनलाईन प्रक्रियाबाट सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरण भएपछि पैसा प्राप्त गर्न सबैलाई सहज हुने छन् ।

पेण्डुलम ...

दुनू सुई सबदिन भोर, दुपहर वा साँझ दश वाजि कऽ दश मिनट बजवैत रहैत छैक । केहनो जाड वा गर्मीमे एकटा फेल खाकीक हाफ-पैन्ट आ बटम नहि लागल 'लूज' सर्ट पहिरने रहैत अछि । ओकर सम्पूर्ण शरीर जखन चलायमान रहैत छैक तऽ पैन्ट-सर्ट कोना ने चलायमान रहौक । एतेक वात मुआयना करवामे हमरा एक मिनटसँ वेशी नहि लगैत हएत । कारण हम तऽ टहलैत रहैत छी । खाली ओतबाकाल पएरक गति स्वतः मन्द भऽ जाइत अछि । ओ अदृश्य भेलाक वाद हमर पएर टहलऽवला स्वाभाविक गति पकडि लैछ ।

मुदा मोन ओहि रहस्यमय व्यक्तित्वक इर्दगिर्द वैसल रहिजाइत अछि ।

कदमचौकपर मन्दिरमे स्थापित पंचमुखी भगवानदिसि स्वतः मुडी निहुरि जाइत अछि -हे भगवान ! एहन-एहन लोकक जन्म देवाक कोन अवश्यकता अहाँके बुझाएल ! एकर पाछाँ कोनो अभिष्ट तऽ जरूर हए ! नील रङ्गक पोशाकमे सुसज्जित एकटा ट्राफिक पुलिससँ देख ओकर खाकी पैन्ट मोन परिगेल जे भारतमे एखनो सव दर्जाक पुलिस लगवैत अछि । पहिने अपनो देशमे उएह खाकी लगाओल जाइत छलैक जे एकाएक भयक सृजना करैत छल । पहिने लोक पुलिससँ फटकी, दूरी बनाकऽ रहऽ चाहैत छल । नेतालोकनि नजरि पडिते कोनो चोर गलीमे घुसि जाइत छलाह । अदभुत आतंक पसरल रहैत छलैक ओइ राजमे ।

भानुचौक विना कोनो प्रतिमाक वड उदासीन लगैत अछि । सरकार अनुकूल अरिस्थिति किएक नहि पैदा कऽ रहल अछि । २१ फरवरी कऽ अन्तर्राष्ट्रिय मातृभाषा दिवसक अवसरपर प्रज्ञा-प्रतिष्ठानमे आयोजित कार्यक्रममे कुलपति स्वनामधन्य बैरागी काइला राजधानीमे विद्यापतिक प्रतिमा लगाओल जाएबला वात बाजि मधेशी श्रोताक कृत-कृत्य कऽ देलनि । एहिना विगत कोनो वर्ष राजधानीमे आयोजित अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलनमे तत्कालीन प्रधानमन्त्री एवं प्रमुख

अतिथि विद्यापतिक प्रतिमा स्थापनाक सम्बन्धमे ठोक्वा उदुघोष कएने रहथि । जे...से ... एकरे राजनीति कहल जाइत छैक आ राजनीतिक भाषणबाजी एहिना चलैत रहैछ ।

जनक चौक आबिगेल । एहिठाम चलिते-चलिते काज चलऽवला नहि । देवता त्रय जे छथि । रूकै पडत । पहिने पश्चिममुहें घूमि राजा जनककै प्रार्थना करैत पुछना गेल, कि अहूक राजमे, ओहू युगमे सेहो सजीव भेल निर्जीव-सन कोनो लोक ओहिना पेण्डुलम जकाँ डोलैत रहैत छलैक । पुनः दक्षिण घूमि दोमहलापर विराजमान शंकरजी के पुछलियनि, 'कहियाधरि ओ एहिना मूडी भटकैत रहनैक ? अवधि नहि पुरलैक अछि की ?' तदनन्तर यथास्थान नीचा आँखि भुका हनुमानजीसँ प्रार्थना कएना गेल, 'सज्जीवनीसन कोनो औषधि वा जडी-वूटी खुआ ओकरा मतिके स्थिर कऽ दिऔक सरकार !'

रामचौकपर सुन्दर टावरक निर्माण भऽ रहल अछि । हमसभ गर्व करव जे हमरोसभक शहरमे टावर अछि आब ! आ पेण्डुलमवला बडका घडी तऽ लगवे करतैक एहिमे । मुदा से स्मरण होइत मोन फेर उचटि कऽ पशु कार्यालयक वडेव वनल गेटपर चलिगेल जतऽ ओ कालजयी निः शब्द भेल डोलिरहल हएत । सुखाएल कोनो पातसन । पता नहि ओकरा जीवनमे कोनो इच्छा आ आकांक्षा छैक कि नहि ।

आगाँ बढैत छी । क्षेत्रिय प्रहरी कार्यालय सामने अवस्थित नेपाल राष्ट्र बैंक । ओहि परिसरमे अवस्थित गेष्ट हाउस । एहि शहरक सर्वाधिक सुरक्षित जगह । एहिठाम राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपतिसँ लऽ तमाम विशिष्ट श्रेणीक व्यक्तित्व मात्र ठहरैत छथि । हिनकासभक आतिथ्यर कएल जाइत भारी खर्चक एकटा छोट अंश डोलायमान, सुस्त मनस्थितिक व्यक्तिपर खर्च कएल जाइत त ... । मुदा ओलोकनि ओकरा सबकै देखि कोना नजरि फेरि लैत छथि जेना हम अहाँ कोनो दूर्गन्ध्युक्त कचरा वा गन्दा देखि कऽ ।

विद्यापति चौक । पता नहि कहियातक मुरलीचौकसँ सम्बोधित होइत रहत । विद्यापतिक सँन्दर प्रतिमाक अछैतो लोकक ठोरपर आदतन मुरली चौक, सएह आबिजाइत अछि । ठीक ओहिना, जेना गणतन्त्र नेपालक नेता

लोकनिद्वारा प्रजातांत्रिक व्यवहार करबाक वदलामे विशुद्ध पंचायती शैलीमे काज कएल जाइत अछि । देश कतौ जाओ !

राजर्षि जनक क्याम्पसलगा गेलाक ठीक पाँच मिनट पश्चात हम अपन डेरा पहुँचि जाइत छी । जीवनभरि डेरामे रहैत-रहैत हमरो आदतन अपन नवनिर्मित घरके डेरे कहा जाइत अछि । आइ पता नहि किएक, ओ चुक्की माली भऽ वैसल डोलायमान निर्जीव ग्रैन्ड फादर क्लौक हमरा बहुत वेशी व्यथित कऽ देने अछि । आइ चायमे कोनो स्वाद नहि बुझा रहल अछि । हम फेर उठि कऽ ओम्हरे टहलऽ निकलि जाइत छी । आइ ओकरा बहुत पाछाँसँ अनुशरण करैत हम पता लगाबऽ चाहैत छी जे ओ खाइतो अछि कि नहि, ओ कोनो खोपरीमे घुसि जाइत अछि आ कम सडके ओकर जीवन छैक, ओ बौक अछि कि किछु वजितो अछि ...आदि-इत्यादि ।

भौतिक दुरी कायम गरी कोरोना भाइरसको संक्रमणबाट आफू पनि बचाउँ र अरुलाई पनि बचाऔं ।

-: जनहितका लागि :-

दृशक खबर, विशेष खबर

नि.प्र.का.सि.द.नं. ११७/०७६/०७७

राष्ट्रिय दैनिक

लहानपोस्ट

LAHANPOST DAILY

शेख मिडिया हाउसद्वारा सञ्चालित

रेडियो सरगम

५०० वाट क्षमता भएकी

Phone :- 033-562484 (Office), 033-562485 (Studio)

Web : radiosargam.net

e-mail : radiosargam93mhz@gmail.com

रिडियो सरगम ९३ मि.का.सि.द.नं. ११७/०७६/०७७

हर एक जनताको आवाज

९३ मैघाहर्ज

भुवना, संजिव र मनीरुल्लानको लागि हृष्यत ताराईको आश...

गाउँपालिकावासीका लागि जनहितमा जारी सार्वजनिक सन्देश !

शीत-लहरको समयमा चिसोका कारण मानिसको मृत्युसमेत हुन सक्छ त्यसैले :

१. न्यानो कपडाको जोहो समयमै गरौं । २. शीत-लहरको समयमा घरबाहिर खुला स्थानमा धेरै समय नबिताऔं, घरबाहिर निस्कनु परेमा वा धेरै समय बिताउनु पर्ने भएमा न्यानो कपडा लगाऔं । ३. रातको समयमा सिरक, कम्बलजस्ता न्यानो कपडा ओढ्ने गरौं । घरभित्र राति सुत्दा शरीरका साथै अनिवार्यरूपमा छाति तथा टाउको ढाक्ने प्रबन्ध मिलाऔं । ४. शीत-लहर चलेको समयमा आगो तापेर शरीरलाई न्यानो राख्ने गरौं । ५. चिसोको समयमा शरीरलाई चाहिने आवश्यक तातो भोलयुक्त खाने कुराहरू खाने बानीको विकास गरौं । ६. बालबालिका, वृद्धवृद्धा, गर्भवती महिला तथा बिरामीहरूको हेरचाहमा विशेष सतर्कता अपनाउँदै न्यानो अवस्थामा राख्ने व्यवस्था मिलाऔं । ७. चिसोको कारण बिरामी भएमा तत्कालै नजिकको स्वास्थ्य चौकी वा अस्पतालमा तुरन्त उपचारको लागि जाने बानीको विकास गरौं । ८. शीत-लहर चलेको बेलामा पाल्तु पशुपंक्षीलाई सकेसम्म खुल्ला स्थानमा चराउन नलैजाऔं । गोठ/टहरामै राखेर पर्याप्त घाँस, पराल र दाना दिने व्यवस्था मिलाऔं । ९. चिसोका कारण पशुपंक्षी बिरामी भएमा नजिकैको पशु चिकित्सालयमा तुरन्तै सम्पर्क गरी औषधी/उपचार गर्न लैजाऔं । १०. कोठाभित्र आगो बाली तातो पादा पर्याप्त भेण्टिलेसनको व्यवस्था मिलाउन नभूलौं ।

 बरियारपट्टी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा	 अर्नमा गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
 नवराजपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा	 भगवानपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
 लक्ष्मीपुर पतारी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा	 औरही गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
 सखुवानन्कारकट्टी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा	 विष्णुपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
	 नरहा गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा